Title : Regarding irregularities in utilisation of funds released under various developmental schemes of the Ministry of Rural development.

श्री हंसराज जी.अहीर (चन्द्रपुर) : सम्माननीय सभापति जी, मैं आपके माध्यम से ग्रामीण विकास मंत्रालय के सन्दर्भ में कुछ समस्याओं के बारे में कहना चाहता हूं।

देश में ग्रामीण विकास मंत्रालय की अनेक योजनाओं के कार्यान्वयन में ग्रामीण विकास अभिकरण जिला स्तर पर महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और उसके माध्यम से देश में ग्रामीण विकास की योजनाओं को अमल में लाने का प्रयास होता है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि गरीबी रेखा के नीचे जीवन-यापन करने वाले तथा आदिवासी, दलित और महिलाओं के विकास के लिए सक्षमीकरण के लिए जितनी योजनाएं हमारे देश में इस मंत्रालय के माध्यम से होती हैं, ग्रामीण स्वरोजगार योजना, स्वर्ण जयन्ती रोजगार योजना, इन्दिरा आवास योजना, जल संधारण के काम होते हैं, प्रधानमंत्री सड़क योजना होती हैं। इन सभी योजनाओं का कार्यान्वयन करने के लिए डी.आर.डी.ए. में कर्मचारियों के पदों की बहुत सी जगह रिक्त हैं। साथ में इसका अवलोकन और समीक्षा करने के लिए वहां पर तकनीकी अधिकारी नहीं होते, इंजीनियर्स या विशेज्ञों की कमी होने की वजह से जितनी सारी धनराशि हम योजनाओं पर खर्च करने के लिए भेजते हैं, सैण्ट्रल गवर्नमेंट के माध्यम से, राज्य स्तर पर इसका तरीके से विनियोग नहीं होता है और जो हम इन योजनाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्र का जितना विकास करने का प्रयास करते हैं, उसमें हम सफल नहीं हो रहे हैं, हम लक्ष्य पूर्ति की ओर नहीं जा रहे हैं। इसी वजह से मैं आपके माध्यम से ध्यान आकर्ति करना चाहता हूं कि यह महत्वपूर्ण वि्य है कि ग्रामीण विकास यंत्रणा अभिकरण जो काम करवाता है, सरकारी एजेंसियों के माध्यम से या एन.जी.ओ. के माध्यम से तो एन.जी.ओ. जो वहां पर विकास के काम करते हैं तो एन.जी.ओ. के माध्यम से विकास कार्य का डिजाइन बनता है और उसका एस्टीमेट बनता है। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि एस्टीमेट बनाने के लिए, डिजाइन बनाने के लिए वहां पर अभियन्ता होना चाहिए, विशेज्ञ होना चाहिए। वहां पर इनके पद खाली रहते हैं। इसकी वजह से इसमें जितनी भी धनराशि जाती है, उसका अपहार होता है, भ्रटाचार होता है। मैं दो जिलों की इन समितियों का, विजिलेंस और मोनीटरिंग कमेटी का चेयरमैन हूं। मेरे सामने ऐसे कई मामले, ऐसी कई शिकायतें आई हैं, जिसके कारण मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार द्वारा भेजी गई राशि का तरीके से विकास में उपयोग होना चाहिए। इसे तरीके से अगर हम खर्च करते हैं तो निश्चित ही हमारा लक्ष्य पूर्ण होगा।

मैं आपके माध्यम से यह कहना चाहूंगा कि डी.आर.डी.ए. को जिला स्तर पर और राज्य सरकार को कहा जाये कि आप इस योजना को अमल में लाने के समय में इंजीनियर्स और विशेज्ञ की नियुक्ति करें, यह सख्ती की जाये। धन्यवाद।

MR. CHAIRMAN : There are two notices received at 9.30 a.m. I am giving them a chance. Dr. Ramachandra Dome to speak. Please be brief.